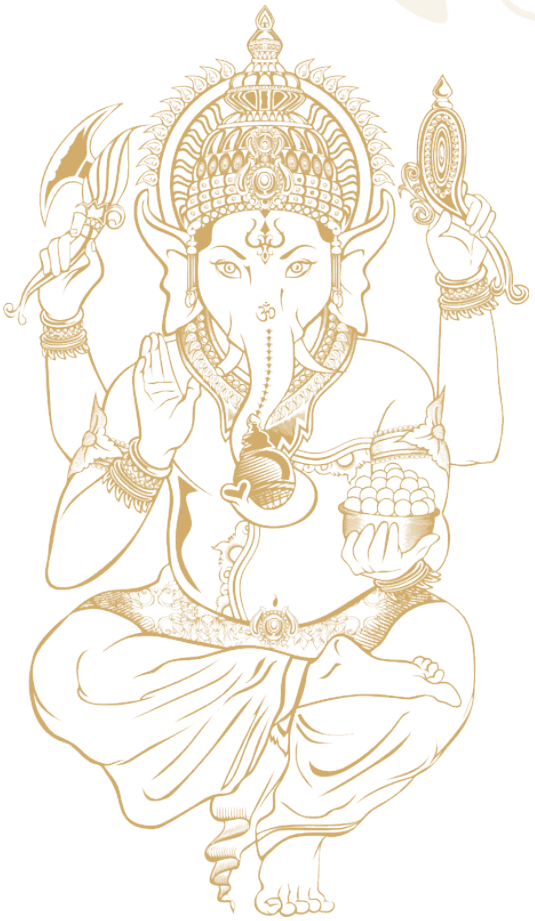

Sahil Sharma

Bhanu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121363402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/06/1998	जन्म तिथि	11/10/1999
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	23:10:00 घंटे
घटी 30:58:53	जन्म समय(घटी)	42:00:06 घटी
India	देश	India
Ambala	स्थान	Nabha
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:22:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	76:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:26	सूर्योदय	06:24:27
19:27:23	सूर्यास्त	17:59:22
23:50:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 2मा 21दि	14:31:00	वृश्चि	लग्न	मिथु	20:11:44	राहु 0वर्ष 3मा 26दि
राहु	06:05:43	मिथु	सूर्य	कन्या	24:06:35	शनि
11/09/2019	00:36:46	वृष	चंद्र	तुला	19:45:40	06/02/2016
11/09/2037	26:01:10	वृष	मंगल	धनु	02:19:44	06/02/2035
राहु 25/05/2022	19:07:32	मिथु	बुध	तुला	15:22:33	शनि 09/02/2019
गुरु 17/10/2024	03:06:25	मीन	गुरु व	मेष	07:40:54	बुध 19/10/2021
शनि 24/08/2027	02:36:11	वृष	शुक्र	सिंह	09:14:53	केतु 28/11/2022
बुध 13/03/2030	07:17:36	मेष	शनि व	मेष	21:48:39	शुक्र 28/01/2026
केतु 31/03/2031	09:49:38	सिंह व	राहु व	कर्क	16:32:14	सूर्य 10/01/2027
शुक्र 31/03/2034	09:49:38	कुंभ व	केतु व	मक	16:32:14	चन्द्र 10/08/2028
सूर्य 23/02/2035	18:26:09	मक व	हर्ष व	मक	19:04:04	मंगल 19/09/2029
चन्द्र 23/08/2036	07:45:28	मक व	नेप व	मक	07:44:21	राहु 26/07/2032
मंगल 11/09/2037	12:13:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:39:36	गुरु 06/02/2035

लग्न-चलित

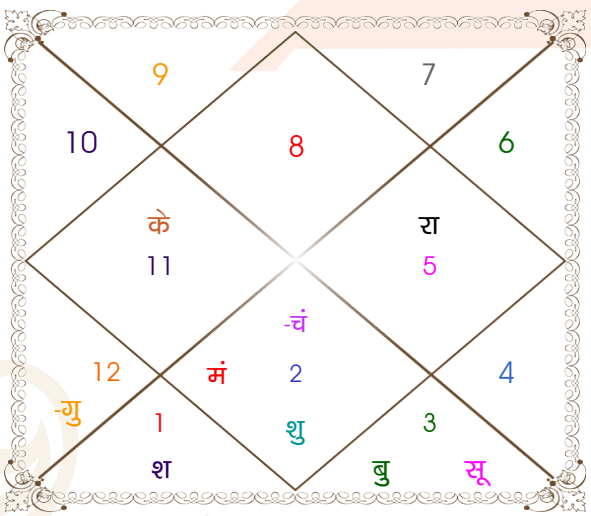

लग्न-चलित

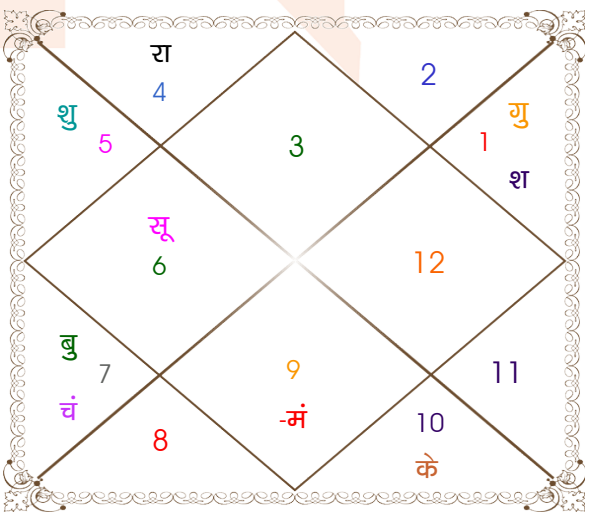

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sahil Sharma का वर्ग गरूड़ है तथा Bhanu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil Sharma और Bhanu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil Sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Sahil Sharma कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Sahil Sharma कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhanu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Bhanu कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Bhanu कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sahil Sharma कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sahil Sharma तथा Bhanu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।